UPSC Daily Current Affairs 24 Jun 2021

1. टैक्स इंस्पेक्टर विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II + III – अंतर्राष्ट्रीय संबंध + अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, **भूटान में टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम** को शुरू किया गया है।

टैक्स इंस्पेक्टर विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम के बारे में जानकारी

- इंडिया टैक्स इंस्पेक्टर विदआउट बॉर्डर (TIWB) के साथ मिलकर टैक्स इंस्पेक्टर विदआउट बॉर्डर्स (TIWB) कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र विकास (UNDP) और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) की एक संयुक्त पहल है।
- भारत को भागीदार क्षेत्र के रूप में चुना गया था और इसे इस कार्यक्रम हेतु एक कर विशेषज्ञ दिया गया है।

लक्ष्य

- इस कार्यक्रम के लगभग 24 महीने की समयावधि तक चलने की उम्मीद है, जिसके ज़रिए भारत, UNDP और TIWB सचिवालय के साथ मिलकर भूटान के साथ सर्वोत्तम लेखापरीक्षा विधियों को साझा करके उसकी तकनीकी जानकारी हस्तांतरित करके उसके कर प्रशासन को मज़बूत बनाने और इसके कर लेखापरीक्षकों को कौशल प्रदान करेगा।
- इस कार्यक्रम का केंद्र अंतर्राष्ट्रीय कराधान और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण होगा ।

TIWB का उद्देश्य

- TIWB पहल का उद्देश्य एक लक्षित, रियल टाइम "अभ्यास के ज़रिए सीखने" की विधि से विकासशील देशों में कर लेखा परीक्षा का ज्ञान और कर प्रशासन का कौशल साझा करने में सक्षम बनाना है।

सहयोग क्षेत्र एवं रूप

- TIWB विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय कर मामलों से संबंधित लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षा से संबंधित कौशल विकास में विकासशील कर प्रशासन के भीतर सामान्य ऑडिट कौशल के विकास के लिए विशेषज्ञों को भेजकर व्यावहारिक सहायता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

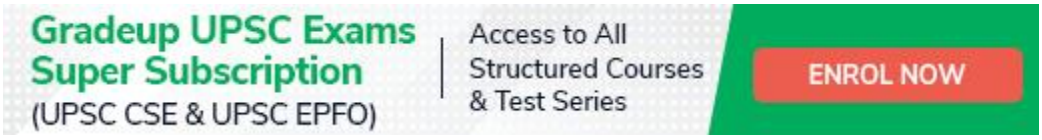

- विशेषज्ञ वास्तविक लेखा परीक्षा मामलों पर मेजबान प्रशासन के कर लेखा परीक्षकों के साथ मिलकर काम करेंगे।

TIWB सचिवालय की भूमिका

- TIWB सचिवालय की भूमिका लक्षित लेखापरीक्षा सहायता कार्यक्रमों की प्राप्ति में सभी पक्षों की भागीदारी को सुगम बनाना है ।
- सचिवालय TIWB कार्यक्रम में भाग लेने के अनुरोधों के लिए एक क्लियरिंग हाउस और इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करता है, विशेषज्ञों को होस्ट प्रशासन (विशेषज्ञ चयन के लिए जिम्मेदार) के लिए प्रस्तावित करता है।
- सचिवालय सभी पक्षों को TIWB ऑडिट सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करता है और TIWB कार्यक्रम के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए व्यावहारिक कदमों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है ।

भारत और भूटान संबंधों के बीच संबंधों की एक नई बहार

- यह कार्यक्रम भारत और भूटान के बीच निरंतर सहयोग और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारत के निरंतर और सक्रिय समर्थन में मील का पत्थर है।

2. सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइन्स

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतर्राष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत तथा सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के बीच कर से संबंधित सूचना के आदान-प्रदान और संग्रह में सहायता हेतु एक समझौते को मंजूरी दी है।

एक अभूतपूर्व समझौता है

- अतीत में दोनों देशों के बीच ऐसा कोई समझौता नहीं था।

समझौते का विवरण

1. यह भारत गणराज्य और सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस के बीच एक नया समझौता है।
2. इस समझौते में मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान की सुविधा और कर दावों के संग्रह में एक दूसरे को सहयोग देने का प्रस्ताव रखा गया है।

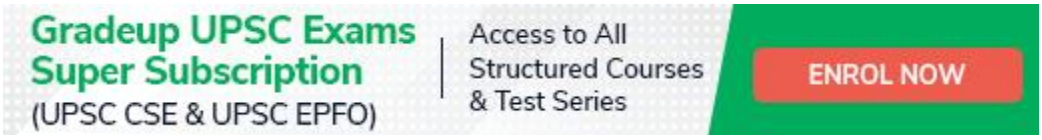

3. इस समझौते में विदेश में कर जांच के प्रावधान भी शामिल हैं जो एक देश में दूसरे देश के प्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति देता है, जिसका दायरा (अपने घरेलू कानूनों के तहत अनुमत सीमा तक) व्यक्तियों का साक्षात्कार करने और कर उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड की जांच करने तक सीमित है।

प्रभाव

- भारत गणराज्य और सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस के बीच समझौते से, इन दोनों देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी, जिसमें बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से कानूनी और लाभकारी स्वामित्व के बारे में जानकारी प्राप्त करना शामिल है।
- यह दोनों देशों के बीच कर दावों के संग्रह को सुविधाजनक भी बनाएगा।
- इस प्रकार, यह अपतटीय कर चोरी और कर से बचने की अभ्यासों (काला धन जमा करने के साधन) से लड़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के बारे में

- सेंट विंसेंट एवं ग्रेनेडाइंस को अक्सर सेंट विंसेंट के रूप में जाना जाता है।
- यह कैरिबियन सागर में एक द्वीप देश है।
- यह लेसर एंटिल्स के दक्षिण-पूर्व विंडवर्ड द्वीप समूह में स्थित है, जो कैरेबियन सागर की पूर्वी सीमा के दक्षिणी छोर पर वेस्टइंडीज में स्थित है, जहां कैरेबियन सागर अटलांटिक महासागर से मिलता है।
- सेंट विंसेंट के उत्तर में सेंट लूसिया, पूर्व में बारबाडोस है, और दक्षिण में ग्रेनाडा स्थित हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

राजधानी

- इसकी राजधानी किंग्सटाउन और मुख्य बंदरगाह सेंट विंसेंट है।

3. शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन की सुरक्षा परिषदों के सचिवों की 16 वीं बैठक दुशांबे (**ताजिकिस्तान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर**) में सम्पन्न हुई।

मुख्य बिंदु

- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उनके पाकिस्तानी समकक्ष मुईद यूसुफ ने **दुशांबे** में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में भागीदारी दर्ज की, इन्होंने बैठक में **"अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद", "अतिवाद", "अलगाववाद" और "धार्मिक कट्टरवाद" के खतरों** के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सहयोग करने के लिए सहमति दर्ज की।
- बैठक में सदस्य देशों के बीच विश्वसनीय सूचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने, साइबर अपराध के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने और कोरोनोवायरस महामारी के संदर्भ में जैविक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

महत्व

- यह क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और आधुनिक दुनिया के खतरों और चुनौतियों का मुकाबला करने में सदस्य देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शंघाई सहयोग संगठन के बारे में जानकारी

- यह एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है जिसकी स्थापना चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं ने की थी।

वर्तमान सदस्य

- SCO में आठ सदस्य देश शामिल हैं, अर्थात् भारत गणराज्य, कजाकिस्तान गणराज्य, चीन जनवादी गणराज्य, किर्गिज़ गणराज्य, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान, रूसी संघ, ताजिकिस्तान गणराज्य और उज़्बेकिस्तान गणराज्य;

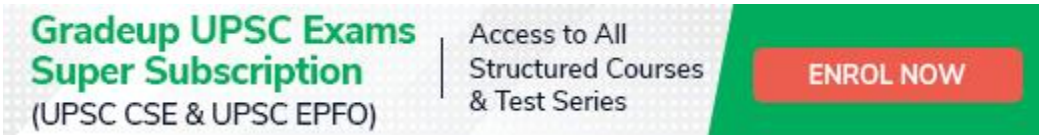

प्रेक्षक राज्य

- SCO में चार पर्यवेक्षक राज्य हैं। ये राज्य इस्लामिक गणराज्य अफगानिस्तान, बेलारूस गणराज्य, ईरान इस्लामी गणराज्य और मंगोलिया गणराज्य हैं।

संवाद साझेदार

- SCO के छह संवाद साझेदार देश - अजरबैजान गणराज्य, आर्मेनिया गणराज्य, कंबोडिया साम्राज्य, नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य, तुर्की गणराज्य और श्रीलंका लोकतांत्रिक समाजवादी गणराज्य हैं।
- शंघाई सहयोग संगठन की आधिकारिक कामकाजी भाषाएँ चीनी और रूसी हैं।
- बीजिंग स्थित SCO सचिवालय इसका मुख्य स्थायी कार्यकारी निकाय है।

भारत और SCO

- भारत ने शहरी आपदा प्रबंधन पर SCO बैठक की मेजबानी की।
- इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) द्वारा शहरी भूकंप खोज और बचाव पर संयुक्त मॉक अभ्यास शामिल है।
- शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के मंत्रालयों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुखों की 5वीं बैठक रूस में आयोजित की गई थी।
- इस बैठक में, सदस्यों ने 2020 में मंत्रालयों के प्रमुखों (प्रधानमंत्रियों) की बैठक की मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है।
- भारत 2020 में एससीओ फोरम ऑफ यंग साइंटिस्ट्स एंड इनोवेटर्स की भी मेजबानी करेगा।

क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना के बारे में जानकारी

- क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS), जिसका मुख्यालय ताशकंद, उज्बेकिस्तान में है, SCO का एक स्थायी अंग है जो आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ सदस्य देशों के सहयोग को बढ़ावा देने का कार्य करता है।
- **SCO महासचिव और SCO RATS की कार्यकारी समिति के निदेशक को तीन साल की अवधि के लिए राज्य के प्रमुखों की परिषद द्वारा नियुक्त किया जाता है।**

4. प्रौद्योगिकी में लैंगिक अंतर को खत्म करना होगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - महिला सशक्तिकरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

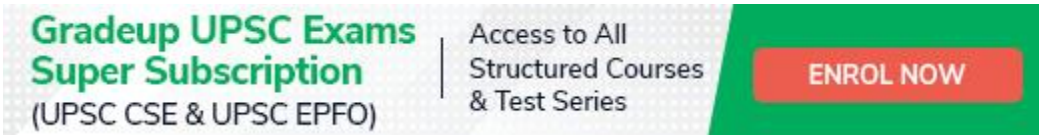

- हाल ही में, COVID-19 महामारी के परिणामस्वरूप, दक्षिण एशियाई देशों में मौजूदा डिजिटल असमानताओं की तस्वीर सामने आई है।
- **इसमें एक विशेष पहलू यह सामने आया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच कभी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही।**

सीमित या कोई पहुंच नहीं

- ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (GSMA) के अनुमानों के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 39 करोड़ से अधिक महिलाओं के पास इंटरनेट की सुविधा नहीं है।
- दक्षिण एशिया में इनमें से आधे से अधिक महिलाएं हैं, जिनमें से केवल 65% के पास मोबाइल फोन है।
- GSMA के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मोबाइल इंटरनेट के उपयोग में लिंग अंतर खत्म करने से अगले पांच वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होगी।
- महिलाएं और लड़कियां प्रौद्योगिकी से वंचित सबसे बड़े उपभोक्ता समूह हैं और प्रमुख रूप से लाभ पैदा कर सकते हैं।

भारत पर आंकड़े

- भारत में केवल 14.9% महिलाओं ने इंटरनेट इस्तेमाल करने की बात स्वीकार की थी।
- टीकाकरण के लिए अपॉइंटमेंट चुनने हेतु ऑनलाइन पंजीकरण कराने के आदेश से यह अंतर और भी बढ़ गया है।
- हाल के स्थानीय आंकड़ों से पता चला है कि महिलाओं की तुलना में लगभग 17% अधिक पुरुषों को टीका लगाया गया है।

महिलाओं और LGBT समुदायों को प्रभावित करता है

- ये अंतर महिलाओं और LGBTQIA+ लोगों को महत्वपूर्ण सेवाओं तक पहुँचने से रोकते हैं।
- उदाहरण के लिए, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान में पुरुषों की तुलना में कम महिलाओं को COVID-19 से बचने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त हुई।
- वैक्सीन पंजीकरण के लिए आमतौर पर स्मार्टफोन या लैपटॉप की आवश्यकता होती है।
- इस प्रकार पुरुषों और लड़कों को महिलाओं और लड़कियों की तुलना में समय पर सूचना और पंजीकरण कराने की संभावना अधिक है।

लैंगिक अंतराल और डिजिटल अंतराल

- उदाहरण के लिए, महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बहुत कम है, 18-44 उम्र के बीच 22 प्रतिशत अंक का अंतर है।

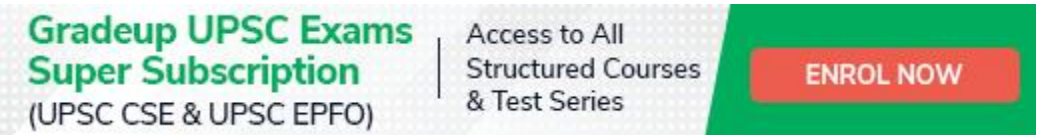

- इसके अलावा, यह डिजिटल अंतराल जाति और वर्ग में बढ़ता है - अमीर (18-44 वर्ष) के गरीबों की तुलना में तीन गुना अधिक होने की संभावना है, जबकि उच्च जातियों के पास अनुसूचित जाति / जनजाति की तुलना में 1.5 गुना अधिक स्मार्टफोन होने की संभावना है।
- उच्चतम न्यायालय के अवलोकन का समर्थन करते हुए, डेटा ने "**CoWin पोर्टल"** पर कोविद -19 वैक्सीन के लिए पंजीकरण करने के लिए 'डिजिटल अंतराल' को पार करने वाले ग्रामीण भारत के एक अनपढ़ ग्रामीण की दूरदर्शिता पर प्रकाश डालता है"।
- 18-44 आयु वर्ग में, गैर-साक्षर लोगों में से केवल 8%, प्राथमिक तक पढ़ने वालों में से 17%, और दसवीं तक शिक्षित लोगों में से 40% के पास खुद के स्मार्टफ़ोन हैं, जबकि कॉलेज में पढ़े-लिखे चार में से तीन लोगों (74%) के पास स्मार्टफ़ोन हैं ।

एक समान भविष्य के लिए कदम

जनरेशन इक्वलिटी फोरम

- संयुक्त राष्ट्र महिलाएं में, हम कंपनियों को साइन अप करने और उन सिद्धांतों से सहमत होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जो सभी के लिए एक अधिक न्यायसंगत भविष्य की ओर ले जाएंगी।
- जनरेशन इक्वलिटी फोरम के हिस्से के रूप में, हमारा लक्ष्य प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं और लड़कियों की संख्या को दोगुना करना है।
- वर्ष 2026 तक, इसका उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व को नवप्रवर्तकों के रूप में समर्थन देने के लिए नारीवादी प्रौद्योगिकी और नवाचार में निवेश करते हुए लैंगिक डिजिटल विभाजन को कम करना और सार्वभौमिक डिजिटल साक्षरता सुनिश्चित करना है।
- संयुक्त राष्ट्र महिलाएं और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम एवं साझेदारियाँ जैसे EQUALS और ICT दिवस महोत्सव मनाया जाता है।

- लड़कियां **अपने शैक्षणिक बिंदु के रूप में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित)** का चयन करेंगी**,** वे **डिजिटल प्रौद्योगिकी करियर** में प्रवेश करेंगी**, और डिजिटल प्रौद्योगिकी में अगला नेता बनना चाहेंगी।**

भारत नेट कार्यक्रम

- भारतनेट भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) द्वारा कार्यान्वित एक प्रमुख मिशन है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क स्थापित करना है।

राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन

- इस मिशन को 2020 तक महत्वपूर्ण डिजिटल साक्षरता कौशल के साथ प्रति परिवार कम से कम एक व्यक्ति को सशक्त बनाने की दृष्टि से शुरू किया गया है।
- यह प्रत्येक घर के एक व्यक्ति को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को पूरा करने का एक प्रयास है।

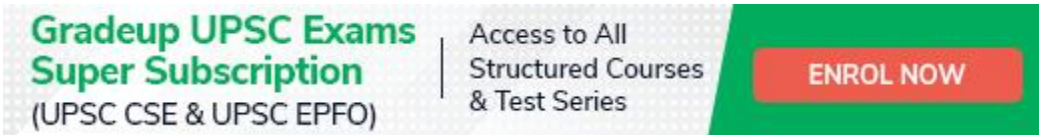

- इस परियोजना का उद्देश्य कम तकनीकी साक्षरता वाले वयस्कों को एक तेजी से डिजिटल दुनिया में बातचीत करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करना है।

YounTab योजना

- लद्दाख के उपराज्यपाल ने हाल ही में डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों के लिए **YounTab योजना** शुरू की है।

5. अमेरिका के साथ पैसेज अभ्यास

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - रक्षा , स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, भारतीय नौसेना और वायु सेना ने हिंद महासागर क्षेत्र से गुजरने के दौरान अमेरिकी नौसेना कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (CSG) रोनाल्ड रीगन के साथ दो दिवसीय पैसेज अभ्यास शुरू किया।

पैसेज अभ्यास के बारे में

- यह एक नौसैनिक अभ्यास है जो भारतीय नौसेना द्वारा मित्रवत विदेशी नौसेनाओं की यूनिट के साथ नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, ये तब आयोजित किया जाता है जब वे एक-दूसरे के बंदरगाहों पर या समुद्र में एक-दूसरे को पार करती हैं।

लक्ष्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्री संचालन में व्यापक रूप से एकीकृत और समन्वय करने की क्षमता का प्रदर्शन करके द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को मजबूत करना है।

प्रभाव

- यह समुद्री डकैती से लेकर हिंसक उग्रवाद तक, समुद्र में खतरों का मुकाबला करने के लिए दोनों पक्षों की क्षमता को बढ़ाएगा।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच पहले से मौजूद मजबूत संबंधों के निर्माण के अवसर भी प्रस्तुत करेगा और दोनों देशों को एक दूसरे से सीखने की अनुमति देगा।

हाल के पैसेज अभ्यास

- जुलाई 2020 में, भारत, जापान और अमेरिका के साथ PASSEX का आयोजन करता है।
- सितंबर 2020 में, भारत रूस के साथ PASSEX का आयोजन करता है।

6. पीटर पैन सिंड्रोम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में मुंबई की एक विशेष अदालत ने नाबालिग का यौन शोषण करने वाले 23 वर्षीय आरोपी को जमानत दे दी है।

न्यायालय का अवलोकन

- सुनवाई के दौरान, आरोपी ने अदालत को बताया था कि वह "पीटर पैन सिंड्रोम" से पीड़ित है, जिसके बाद विशेष सरकारी अभियोजक ने तर्क दिया कि उस व्यक्ति की एक मेडिकल जांच में असामान्यता के कोई लक्षण नहीं दिखाई दिए, और यह कि बचाव पक्ष भी चिकित्सीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सका जिससे कि दावे का समर्थन किया जा सके।
- आरोपी के वकील ने कहा कि पीटर पैन सिंड्रोम उन लोगों को प्रभावित करता है जो बड़े होने में असमर्थ महसूस नहीं करते हैं या बड़ा होना नहीं चाहते हैं, जहां किसी व्यक्ति की मानसिक उम्र उसकी शारीरिक उम्र से अधिक है।

पीटर पैन सिंड्रोम के बारे में जानकारी

- 'पीटर पैन सिंड्रोम' शब्द पहली बार 1983 में डॉ डैन केली द्वारा लिखी गई एक किताब में आया था, जिसका शीर्षक था 'पीटर पैन सिंड्रोम: मेन हू हैव नेवर ग्रोन अप'।

1. ऐसा कहा जाता है कि जो लोग समान व्यवहार विकसित करते हैं - लापरवाह जीवन जीना, वयस्कता में चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को ढूंढना, और मूल रूप से, "कभी बड़े नहीं होना" - पीटर पैन सिंड्रोम से पीड़ित होने के लक्षण हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का दृष्टिकोण

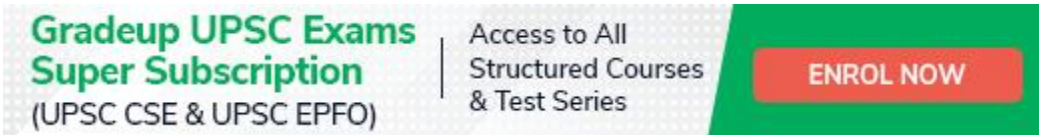

- डब्ल्यूएचओ पीटर पैन सिंड्रोम को स्वास्थ्य विकार के रूप में मान्यता नहीं देता है; कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो किसी के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है।

पीटर पैन सिंड्रोम के लक्षण

- जैसा कि पीटर पैन सिंड्रोम को आधिकारिक तौर पर एक स्वास्थ्य विकार के रूप में चिह्नित नहीं किया गया है, इसके स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्षण या विशेषताएं या उनके कारण भी नहीं हैं जिसके कारण ये होता है।
- हालांकि, 'हेल्थलाइन' के अनुसार, यह किसी की दैनिक दिनचर्या, रिश्तों, कार्य नैतिकता को प्रभावित कर सकता है और इसके परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन हो सकता है।
- पीटर पैन सिंड्रोम लिंग, जाति या संस्कृति से परे किसी को भी प्रभावित कर सकता है।
- हालांकि, यह पुरुषों में अधिक आम प्रतीत होता है।

संबंधित शब्द

वेंडी सिंड्रोम

- वेंडी सिंड्रोम वेंडी डार्लिंग के बाद आता है, जो पीटर पैन के साथ दिखाई देता है लेकिन उसे एक विरोधी चरित्र के रूप में देखा जाता है।
- उसे अक्सर एक "माँ" कहा जाता है, जो एक वयस्क या अधिक परिपक्व व्यक्ति की भूमिका निभाती है।
- 'हेल्थलाइन' वेंडी सिंड्रोम से पीड़ित लोगों का वर्णन करता है जैसा कि अक्सर "निर्णय लेने, गड़बड़ी को दूर करने और एकतरफा भावनात्मक समर्थन की पेशकश" के रूप में देखा जाता है।

7. डेल्टा प्लस: K417N म्यूटेशन के साथ कोरोनावायरस का एक संस्करण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, भारत में डेल्टा कोरोनवायरस विषाणु के लगभग 40 मामले उत्परिवर्तन के साथ देखे गए हैं जो इसे अधिक संक्रमणीय बनाते हैं और राज्यों को परीक्षण बढ़ाने की सलाह दी गई है।

डेल्टा प्लस क्या है?

- भारत में "डेल्टा प्लस" नामक संस्करण को पहली बार 11 जून को एक पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड बुलेटिन में रिपोर्ट किया गया था।

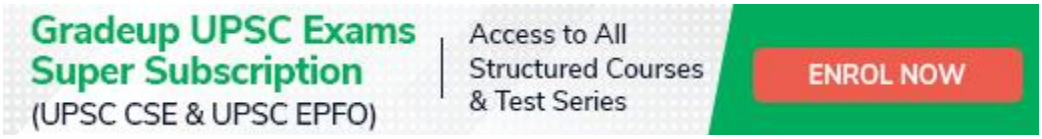

- यह भारत में पहली बार खोजे गए डेल्टा संस्करण का एक उप-वंश है और इसने K417N नामक स्पाइक प्रोटीन उत्परिवर्तन का अधिग्रहण किया है जोकि दक्षिण अफ्रीका में पहली बार पहचाने गए बीटा संस्करण में भी पाया जाता है।
- भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "उत्परिवर्तन K417N दिलचस्पी का विषय बन गया है क्योंकि यह बीटा संस्करण (B.1.351 वंश) में मौजूद है, जिसमें प्रतिरक्षा से बचने के गुण की सूचना मिली थी"।
- K417N को चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के कॉकटेल की प्रभावशीलता को कम करने के लिए जाना जाता था।

यह कहां-कहां से मिला है?

- 16 जून तक, 11 देशों - ब्रिटेन (36), कनाडा (1), भारत (8), जापान (15), नेपाल (3), पोलैंड (9), पुर्तगाल (22), रूस (1), स्विट्ज़रलैंड (18), तुर्की (1), संयुक्त राज्य अमेरिका (83) से कम से कम 197 मामले सामने आए थे।
- ब्रिटेन ने कहा कि उसके पहले 5 मामलों को 26 अप्रैल को अनुक्रमित किया गया था और वे उन व्यक्तियों के संपर्क थे, जिन्होंने नेपाल और तुर्की से यात्रा की थी या वहां से गुजरे थे।
- **ब्रिटेन और भारतीय मामलों में कोई मौत नहीं हुई।**

नए वेरिएंट T478K के बारे में जानकारी

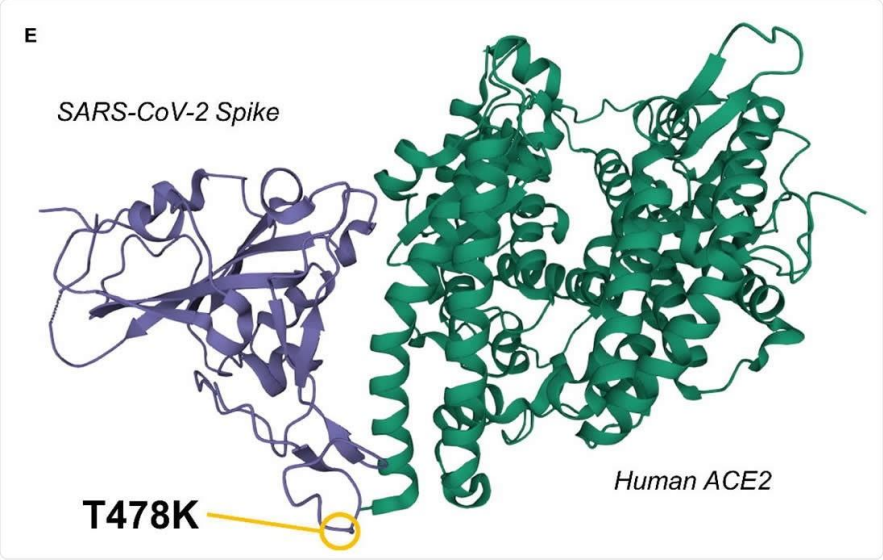

- यह ज्यादातर मेक्सिको में फैल रहा है लेकिन यूरोप में भी पाया गया है।
- दूसरे स्ट्रेन की तरह, यह स्पाइक प्रोटीन में एक उत्परिवर्तन दिखाता है।
- यह वैरिएंट पुरुषों और महिलाओं और सभी आयु वर्गों में समान रूप से फैला हुआ है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- यह वैरिएंट मेक्सिको में सभी अनुक्रमित कोरोना वायरस के 52.8% का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अमेरिका में यह केवल 2.7% अनुक्रमित नमूनों में दिखाई देता है।

8. ग्रेट बैरियर रीफ के पतन की स्थिति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र की एक समिति ने सिफारिश की है कि ग्रेट बैरियर रीफ को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में "**संकटग्रस्त**" श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए।

ग्रेट बैरियर रीफ को 'संकटग्रस्त' श्रेणी में शामिल करने के कारण

- कानूनी समूहों की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2015 की समीक्षा के बाद से रीफ के हालात खराब हो गए हैं, पिछले साल एक समुद्री पार्क प्राधिकरण की रिपोर्ट को देखते हुए पाया गया कि इसका परिदृष्य खराब से बहुत खराब हो गया था और यह माना गया था कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन इसके स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा था।
- भीषण समुद्री गर्मी की लहरों के कारण इसे तीन प्रमुख प्रवाल विरंजन घटनाओं का भी सामना करना पड़ा है।
- दिसंबर 2020 में, प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन ने चट्टान को गंभीर स्थिति में धकेल दिया है।

संकटग्रस्त विश्व विरासत के बारे में

- 'संकटग्रस्त विश्व विरासत' सूची अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन स्थितियों के बारे में सूचित करने के लिए तैयार की गई है जो उस जगह को विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल किए जाने की विशेष खूबी को खतरे में डालती है और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है।
- **ये निम्न हैं**
    - सशस्त्र संघर्ष और युद्ध, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाएं, प्रदूषण, अवैध शिकार, अनियंत्रित शहरीकरण और अनियंत्रित पर्यटन विकास विश्व धरोहर स्थलों के लिए बड़ी समस्याएं हैं। जब किसी विरासत स्थल पर खतरा होता है जिसका विश्व विरासत मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता था, तो खतरे विशिष्ट और सिद्ध अवश्यंभावी खतरों का हवाला देते हुए, "निश्चित" या "संभावित" को सकते हैं।
- अब तक **53 विरासत स्थल हैं जिन्हें विश्व विरासत समिति ने कन्वेंशन के अनुच्छेद 11 (4) के अनुसार खतरे में विश्व विरासत सूची में शामिल करने का निर्णय लिया है।**
- **वेनिस** का **इतालवी शहर, जो पर्यटकों से भरा हुआ है, और अंग्रेजी शहर लिवरपूल का तट, जो एक प्रमुख** पुनर्विकास के **दौर से गुजर रहा है**, यूनेस्को के दर्शनीय स्थलों की सूची में शामिल हैं।

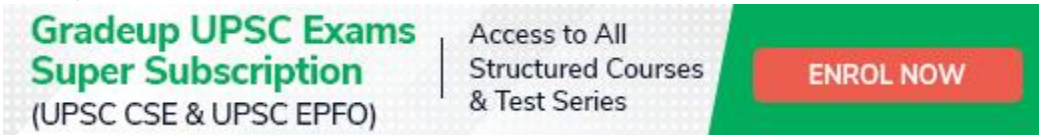

पृष्ठभूमि

- 1972 के विश्व विरासत सम्मेलन के तहत, एक विश्व विरासत स्थल - जैसा कि कन्वेंशन के अनुच्छेद 1 और 2 में परिभाषित है - को समिति द्वारा विश्व विरासत सूची में खतरे में दर्ज किया जा सकता है जब यह पता चलता है कि स्थल की स्थिति परिचालन दिशानिर्देशों में वर्णित दो मामलों में से किसी एक में मानदंड से कम से कम से मेल खाती है।

ग्रेट बैरियर रीफ के बारे में जानकारी

- यह ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट पर उल्लेखनीय विविधता और सुंदरता से परिपूर्ण स्थल है।
- इसमें 400 प्रकार के प्रवाल, मछलियों की 1500 प्रजातियां और 4,000 प्रकार के मोलस्क के साथ प्रवाल भित्तियों का विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है।
- रीफ ढांचे में "ईंटों" का निर्माण छोटे जीवों के चूने के अवशेषों से होता है जिन्हें कोरल पॉलीप्स और हाइड्रोकोरल के रूप में जाना जाता है।
- "सीमेंट" जो इन अवशेषों को एक साथ बांधता है, बड़े हिस्से में कोरलीन शैवाल और **ब्रायोजोन्स** द्वारा बनता है ।

संबंधित शब्द

प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग) के बारे में जानकारी

- प्रवाल और ज़ोक्सांथेला एक सहजीवी संबंध रखते हैं, और 90% पोषक तत्व जो शैवाल द्वारा उत्पादित होते हैं, प्रवाल पोषक को स्थानांतरित कर दिए जाते हैं।
- लेकिन यह संबंध गंभीर पर्यावरणीय तनाव के कारण प्रभावित हो जाता है जिससे सहजीवी शैवाल (zooxanthellae) का नुकसान होता है।
- परिणामस्वरूप, सफेद कैल्शियम-कार्बोनेट एक्सोस्केलेटन अपने पारदर्शी ऊतक के माध्यम से दिखाई देता है जिससे कोरल ब्लीचिंग के रूप में जाना जाता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- शैवाल की अनुपस्थिति में मूंगे कमजोर हो जाते हैं और यदि समुद्र का तापमान हफ्तों तक ऊंचा रहता है तो वे मरने लगते हैं।
- 2016 और 2017 के रिकॉर्ड के अनुसार, ग्रेट बैरियर रीफ का आधा हिस्सा कोरल ब्लीचिंग के कारण खत्म हो गया है।

अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं: https://whc.unesco.org/en/danger/

gradeup

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW